Paper - II

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) उत्तर लिखिए। **2**

पूजा की सामग्री -

मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

इसके बाद पूजा-पाठ की बात आई। पंडित परमसुख ने कहा, ''उसमें क्या मुश्किल है, हम लोग किस दिन के लिए हैं, रामू की माँ ? मैं पाठ कर दिया करूँगा, पूजा की सामग्री आप हमारे घर भिजवा देना।''

''पूजा का सामान कितना लगेगा ?''

''अरे, कम-से-कम सामान में हम पूजा कर देंगे। दान के लिए करीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मनभर तिल, पाँच मन जौ और पाँच मन चने, चार पसेरी घी और मन-भर नमक भी लगेगा। बस, इतने से काम चल जाएगा।''

''अरे बाप रे, इतना सामान! पंडित जी, इसमें तो बहुत-सा रुपया खर्च हो जाएगा...'' रामू की माँ ने रुआँसी होकर कहा।

''फिर इससे कम में तो काम नहीं चलेगा। बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है, रामू की माँ! खर्च को देखते वक्त पहले बहू के पाप को देख लो! यह तो प्रायश्चित है, कोई हँसी-खेल थोड़े ही है और जैसी जिसकी मरजादा प्रायश्चित में उसे वैसा खर्च भी करना पड़ता है। आप लोग कोई ऐसे–वैसे थोड़े हैं, अरे, यह खर्च तो आप लोगों के हाथ का मैल है।''

पंडित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए, किसनू की माँ ने कहा, ''पंडित जी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली की हत्या कोई ऐसा-वैसा पाप तो है नहीं- बड़े पाप के लिए बड़ा खर्च भी चाहिए।''

छन्नू की दादी ने कहा, ''और नहीं तो क्या, दानपुण्य से ही पाप कटते हैं– दानपुण्य में किफायत ठीक नहीं।''

मिसरानी ने कहा, ''और फिर माँ जी, आप लोग बड़े आदमी ठहरे। इतना खर्च कौन आप लोगों को अखरेगा।''

रामू की माँ ने अपने चारों ओर देखा, सभी पंच पंडित जी के साथ। पंडित परमसुख मुस्करा रहे थे। उन्होंने कहा, ''रामू की माँ! एक तरफ तो बहू के लिए कुंभीपाक नरक है और दूसरी तरफ तुम्हारे जिम्मे थोड़ा-सा खर्चा है। सो उससे मुँह न मोड़ो।''

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

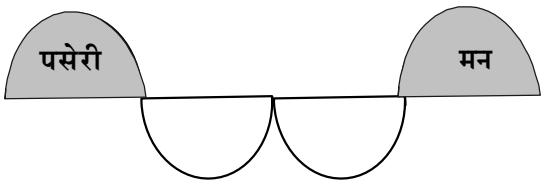

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

किसनू की माँ की प्रायश्चित के बारे में धारणा -

(1) ---------- (2) ---------

3) i) **समान अर्थ के शब्द लिखिए।** **1**

(1) हाथ (2) नाच

ii) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) रुआसी (2) खरच

4) **"अंधविश्वास: एक सामाजिक अभिशाप" इस विषय पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करें।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

ii) (1) प्रीति की शारीरिक कमज़ोरी - **1**

(2) प्रीति ने जूस निकालने के लिए इसका प्रयोग किया -

साक्षात्कारकर्ता	:	प्रीति जी, नमस्कार ! देखिए हम समय पर आ गए हैं, आपसे बातचीत करने।
प्रीति मोंगा	:	(हँसते हुए) नमस्कार, नमस्कार! बैठिए ! मैं अभी आई । (भीतर से मिक्सी चलने की आवाज)
साक्षात्कारकर्ता	:	(मन में) अरे! मुझे तो कहा कि समय का बहुत ध्यान रखती हूँ, कहाँ रह गई, प्रीति जी? (ट्रे में दो गिलास जूस लिए प्रीति का प्रवेश)
प्रीति	:	(मेज़ पर गिलास रखते हुए) बाहर बहुत गरमी है । लीजिए, पहले थोड़ा जूस पीजिए । (गिलास पकड़ाते हुए।)
साक्षात्कारकर्ता	:	(आश्चर्यचकित भाव से उनकी आँखों की ओर देखते हुए) प्रीति जी यह क्या?
प्रीति	:	मैं अपना सब काम स्वयं करती हूँ । काम भी अच्छा होता है और आनंद भी आता है । चलो, अब कुछ बात-चीत का सिलसिला आगे बढ़ाएँ।

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों।** **1**

(1) जूस (2) प्रीति

ii) **उचित पर्याय चुनकर लिखिए।** **1**

(1) **प्रीति जूस लेकर आई क्योंकि -**

(क) बाहर बहुत ठंड थी।

(ख) बाहर बहुत गरमी हो रही थी।

(ग) घर आए लोगों को वह जूस पिलाया करती थी।

(2) **साक्षात्कारकर्ता से प्रीति ने समय के बारे में कहा -**

(क) समय बड़ा बलवान है ।

(ख) समय किसी का इंतजार नहीं करता ।

(ग) समय का बहुत ध्यान रखती हूँ ।

3) i) **निम्नलिखित वाक्यों को उचित तालिका में लिखिए।** **1**

(1) प्रीति जूस लेकर आती है।

(2) प्रीति ने नमस्कार किया।

(3) प्रीति ने अपना नाम बताया था।

(4) प्रीति अपना नाम बताती है।

सामान्य वर्तमानकाल	
सामान्य भूतकाल	
पूर्ण भूतकाल	

ii) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए :** 1

जैसे सफल → सफलता

(1) सज्जन → ______

(2) मानव → ______

4) 'समय का महत्त्व' पर अपने विचार लिखिए । 2

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) उत्तर लिखिए । ½

i) कंप्यूटर विज्ञान की अद्‌भुत देन है क्योंकि ....

ii) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण लिखिए।** ½

कंप्युटर एक......

(क) जादुई बक्सा है।

(ख) जादुई घड़ी है।

(ग) जादुई चिराग है।

2) कृति पूर्ण कीजिए। 1

i) **इन समस्याओं का कंप्यूटर समाधान कर देता है -**

कंप्यूटर-एक जादुई बक्सा है, जो बटन दबाते ही सारी जानकारी दे देता है। यह सचमुच विज्ञान की अद्‌भुत देन है। आज इसकी उपयोगिता इतनी बढ़ गई है कि छोटा बच्चा भी इसे चलाना आसानी से सीख लेता है। चाहे क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक की भूमिका हो या लाखों-करोड़ों की गणना हो, रेलवे आरक्षण कराना हो अथवा दफ़्तरों, बैंकों में रिकार्ड रखने हों-कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या का समाधान कर देता है। इसकी महत्ता को देखते हुए आज सभी के लिए इसकी जानकारी अनिवार्य-सी होती जा रही है। इंटरनेट के साथ जुड़ जाने से तो इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गई है। इसके माध्यम से जो जानकारी चाहो, तुरंत मिल जाती है। यह आज मानव समस्याओं के समाधान में कल्पतरू सिद्ध हो रहा है।

3) कंप्यूटर: एक अनिवार्य आवश्यकता इस पर अपने विचार लिखिए । 2

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

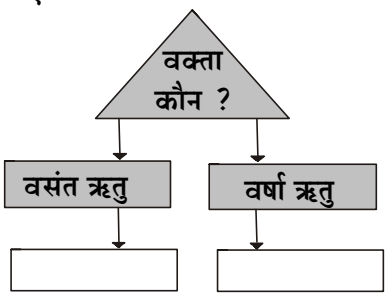

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

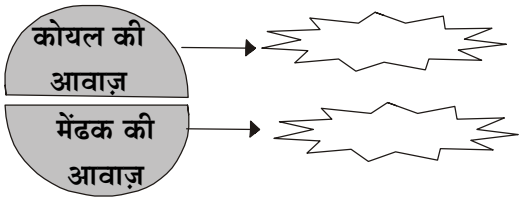

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन ।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।

2) i) दोहे में आए प्राणियों के नाम लिखिए। **1**

(1) ---------- (2) ---------

ii) कोयल व मेंढक के उदाहरण से आप समझते हैं। **1**

(1) ---------- (2) ----------

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) कोयल (2) मेंढक

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) वक्ता (2) मौन

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

"पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन।।"

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) 'कीचड़ फैलना' इसका तात्पर्य लिखिए।

(2) 'हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त है' इस भाव को व्यक्त करने वाली कविता की पंक्ति लिखिए।

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।
पक्ष औ प्रतिपक्ष संसद में मुखर है,
बात इतनी है कि कोई पुल बना है।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इस प्रकार हुई है सड़क की स्थिति -

(2) सांसदों के मुखर होने का स्थान -

ii) (1) **वर्तुल पूर्ण कीजिए।** **½**

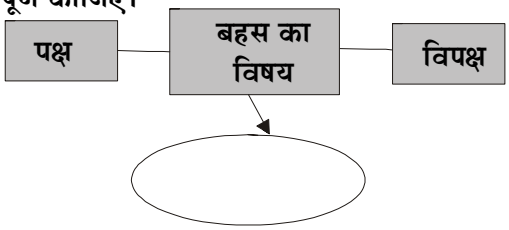

(2) **समझकर लिखिए।** **½**

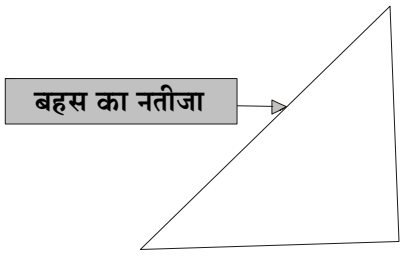

3) i) **शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।** **1**

(1) पुल (2) संसद

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) पाव (2) सन्सद

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए । 2

"इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।"

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए। 1**

(1)

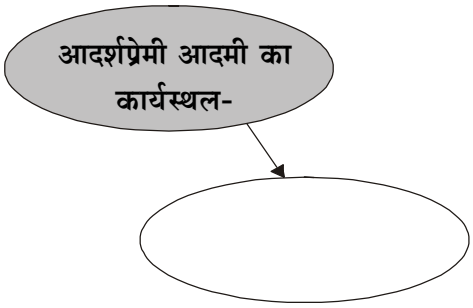

(2)

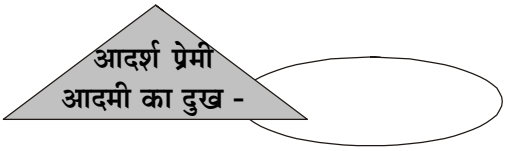

ii) **उत्तर लिखिए। 1**

(1) पतिव्रताओं की परेशानी लिखिए।

(2) लेखक के अनुसार वे सब रो रहे हैं -

मेरे पास एक आदमी आता था, जो दूसरों की बेईमानी की बीमारी से मरा जाता था। अपनी बेईमानी प्राणघातक नहीं होती, बल्कि संयम से साधी जाए तो स्वास्थ्यवर्द्धक होती है। कई पतिव्रताएँ दूसरी औरतों के कुलटापन की बीमारी से परेशान रहती हैं। वह आदर्श प्रेमी आदमी था। गांधीजी के नाम से चलने वाले किसी प्रतिष्ठान में काम करता था। मेरे पास घंटों बैठता और बताता कि वहाँ कैसी बेईमानी चल रही है। कहता, युवावस्था में मैंने अपने को समर्पित कर दिया था। किस आशा से इस संस्था में गया और क्या देख रहा हूँ। मैंने कहा- भैया, युवावस्था में जिन्होंने समर्पित कर दिया वे सब रो रहे हैं। फिर तुम आदर्श लेकर गए ही क्यों? गांधीजी दुकान खोलने का आदेश तो मरते-मरते दे नहीं गए थे। मैं समझ गया, उसके कष्ट को। गांधीजी का नाम प्रतिष्ठान में जुड़ा होने के कारण वह बेईमानी कर नहीं पाता था और दूसरों की बेईमानी से बीमार था। अगर प्रतिष्ठान का नाम कुछ और हो जाता तो वह भी औरों जैसा करता और स्वस्थ रहता।

2) 'गांधीजी और नैतिकता' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 4 - व्याकरण **10 अंक**

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
महान

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½
एक हजार रुपए की नोट बंद हो गई ।

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**
वाणी की मन पर गहरा संस्कार पड़ती रहती है ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
होना -

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
उसके आँसुओं ने स्पीड पकड़ ली ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
मिलना	--------	--------

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
बाप रे !

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
वह महूरत भी मालूम हो, जब बिल्ली की हत्या हुई, तब नरक का पता लगेगा ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**
i) चिंतक निश्चित वाणी की खोज करते हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)
ii) उन्हें अक्ल आ जाती है । (अपूर्ण भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**
मुँह फेरना -

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
(माथे पर बल पड़ना, सिर झुकाए बैठना, मुँह मोड़ना)
चोरी पकड़ी जाने के कारण नौकर **लज्जित होकर बैठा था ।**

विभाग 5 - रचना **30 अंक**

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

लक्ष्मीनगर, अमरावती निवासी संतोष / संगीता तिवारी ने कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं किंतु पुस्तकों की कम प्रतियों की प्राप्ति तथा फटी पुस्तकों के कारण वे त्रस्त हैं। इस संदर्भ में वह व्यवस्थापक, शीतल बुक डिपो, मंगलवार पेठ, पूना को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

सोनिया औषधि भंडार, राजीव चौक, जालंधर
आयुर्वेदिक औषधियाँ 50 % मूल्य में उपलब्ध
1. कायम चूर्ण
2. च्यवनप्राश
3. द्राक्षासव
4. शहद ..... आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर फिरोजपुर से रमेश / रमा पांडे विविध औषधियों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । **5**

अदालत में अवकाश के समय वकीलों का विश्राम कक्ष में बैठना । - एक मासूम बालक द्वारा भीख माँगना - एक वकील ने उसे बुलाकर भीख माँगने का कारण पूछना । बीमार माँ के इलाज के लिए वकिलों द्वारा बच्चे को बुट - पॉलिश का सामान देना - वकीलों से उसकी सच्ची सहायता करना ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । **5**

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है । शिक्षाविहीन व्यक्ति पशु के समान जीवनयापन करता है । व्यक्ति में अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं । शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनाता ही है, साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन

करता है । शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है । नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे हैं । आवश्यकता है, प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने का अथवा 14 वर्ष की आयु से अधिक वाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित हैं । अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति समय से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न कर पा रहे हैं । शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग नहीं कर पाता और न ही भोला - भाला किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाता है । आज भी वह साहूकार अथवा ब्याज किश्तों के द्वारा आसानी से ठग लिया जाता है । स्वतंत्रता से पूर्व व्यक्ति की स्थिति शिक्षा कें क्षेत्र में बहुत खराब थी ।

प्र.6. प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

मैं संध्या समय नदी किनारे टहलने के लिए गया था । उस वक्त पास के गाँव के कुछ बच्चे भी नदी किनारे टहलने आए थे । उनमें से एक बच्चे ने अपने साथ लाई हुई कूड़े - कचरे की बैग पानी में फेंक दी । मैं हैरान हो गया और....

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

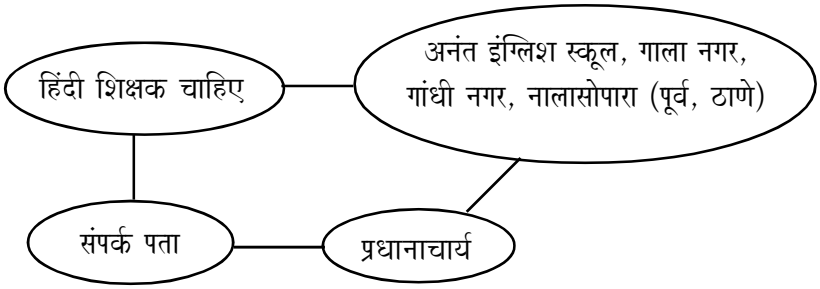

3) स्वमत अभिव्यक्ति । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

समाचारपत्र में अकाल का चित्र छपा हुआ था । उस चित्र को देखकर मेरे मन में विचार आए.....

Best Of Luck